रविवार, 12 जुलाई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

शुभमन गिल टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज के खेल की जमकर तारीफ की

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

जना नायकन' का नया पोस्टर जारी, CBFC से मिली 'A' सर्टिफिकेट की मंजूरी

Page-05

92 वर्षीय पूर्व सेना अधिकारी ने मांगा न्याय

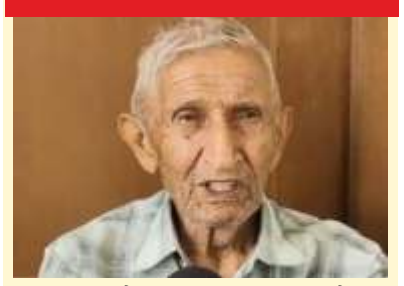

राजस्थान के जैसलमेर जिले से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। भारतीय सेना के 92 वर्षीय रिटायर्ड अधिकारी, कैप्टन चुन्नीलाल ने आरोप लगाया है कि उनकी जानकारी के बिना धोखे से उनकी जमीन को गिरवी रख दिया गया, ट्रांसफर कर दिया गया और बाद में बेच भी दिया गया। कैप्टन चुन्नीलाल देश के एक सच्चे वीर हैं, जिन्होंने चीन के साथ 1962 के युद्ध और पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में देश के लिए लड़ाई लड़ी थी। पूर्व कैप्टन चुन्नीलाल ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि सेना से रिटायर होने के बाद वह बस्सी आ गए थे। उन्होंने बताया कि रिटायरमेंट से पहले उन्होंने कारगिल युद्ध में भी अपनी सेवाएं दी थीं और वे सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए लड़े थे। उन्होंने बताया, "हिमाचल प्रदेश के पास हमारे परिवार की बहुत उपजाऊ खेती की जमीन थी। लेकिन सरकार ने पोंग बांध परियोजना के लिए हमारी जमीन ले ली। उस समय जो मुआवजा मिला, वह काफी नहीं था। हमें आश्वासन दिया गया कि बेघर हुए परिवारों को राजस्थान में जमीन दी जाएगी। इसके बाद मुझे मोहनगढ़ में जमीन दी गई। जब मैं पहली बार वहां पहुंचा, तो चारों तरफ सिर्फ रेत ही रेत थी। सालों की कड़ी मेहनत के बाद हमने उस बंजर जमीन को सुधारा और धीरे-धीरे वह उपजाऊ बन गई।" कैप्टन चुन्नीलाल ने आरोप लगाया कि इतने सालों की खून-पसीने की मेहनत के बाद, कुछ लोगों ने जाली दस्तावेज तैयार किए और उनके हमशक्ल को खड़ा करके उनकी जमीन धोखे से बेच दी। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि वे समझ नहीं पा रहे हैं कि ऐसा कैसे हो सकता है। 92 वर्ष से अधिक की उम्र होने के कारण उन्होंने सरकार से गुहार लगाई है कि उनके मामले की सुनवाई हिमाचल प्रदेश ट्रांसफर कर दी जाए, ताकि वे आसानी से कोर्ट जा सकें और उन्हें न्याय मिल सके।

वियतनाम में नाव हादसा, 15 भारतीय पर्यटकों की मौत

पीएम मोदी ने जताया गहरा शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुखद नाव दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास वियतनामी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहते हुए हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने X पर पोस्ट किया कि वियतनाम के फु क्वोक के पास भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायल बचे लोगों के जल्द ठीक होने की मैं प्रार्थना करता हूं। हमारा दूतावास और वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। हमारे अधिकारी वियतनाम के अधिकारियों के भी लगातार संपर्क में हैं। नाव पलटने की घटना में कुल 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने सरकारी मीडिया को बताया कि वियतनाम के फु क्वोक के पास 'होन मे रूट न्गोई' (Hon May Rut Ngoai) द्वीप के पास जब नाव पलटी, तो उसमें 32 भारतीय पर्यटक और चार क्रू मेंबर सवार थे। यह नाव वियतनाम के सबसे बड़े द्वीप, फु क्वोक के पास स्थित द्वीप से लगभग 400 मीटर (1,310 फीट) की दूरी पर पलट गई। आंध्र प्रदेश सरकार के सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बॉर्डर गार्ड, नेवी, कोस्ट गार्ड और दूसरी इमरजेंसी टीमों के ऑपरेशन में शामिल होने से पहले ही आस-पास की नावें मौके पर पहुँच गईं और पानी से यात्रियों को बचाने का काम शुरू कर दिया। खबरों के मुताबिक, बचाव कार्यों में रुकावट आई क्योंकि कई यात्री पलटी हुई नाव के अंदर ही फँसे हुए थे।

होर्मुज हमले में फंसे भारतीय, 10 सुरक्षित, एक अब भी लापता

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध ने अब पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत की भी चिंता बढ़ा दी है। इस महायुद्ध का सीधा असर अब भारतीयों पर भी देखने को मिल रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान के हमले का शिकार बने साइप्रस देश के झंडे वाले व्यापारिक कंटेनर जहाज जीएफएस गैलेक्सी (GFS Galaxy) पर भारतीय चालक दल भी सवार था। भारत सरकार ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताया है और पुष्टि की है कि जहाज पर मौजूद भारत के 10 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक अब भी लापता है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, "सरकार इस पूरे मामले पर लगातार अपनी नजर बनाए हुए है और इससे जुड़े देशों के साथ लगातार बातचीत कर रही है। हमारे भारतीय मिशन प्रभावित चालक दल की सुरक्षा पक्की करने और लापता भारतीय नागरिक की तलाश करने की कोशिशों में जुटे हैं। क्षेत्र में बढ़ता यह सैन्य तनाव पूरी दुनिया की समुद्री सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।" अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, जब जीएफएस गैलेक्सी जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहा था, तभी ईरान ने उस पर निशाना साध कर हमला कर दिया। इस हमले की वजह से जहाज के इंजन रूम को बहुत भारी नुकसान पहुंचा है। हमले के तुरंत बाद राहत और बचाव काम शुरू करके चालक दल के कई सदस्यों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन एक भारतीय क्रू मेंबर का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है।

मुनकटिया में बड़ा भूस्खलन

भारी बारिश से केदारनाथ हाईवे बंद

उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में लगातार तेज बारिश हो रही है। इस वजह से आम लोगों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। रुद्रप्रयाग जिले और केदारनाथ धाम के आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। इसी बीच, सोनप्रयाग के पास मुनकटिया नाम की जगह पर एक बहुत बड़ा भूस्खलन हुआ है। इस भूस्खलन की वजह से केदारनाथ मुख्य हाईवे का एक हिस्सा मलबे से भर गया है, जिससे गाड़ियों का आना-जाना कुछ हद तक रुक गया है। प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है और रास्ते को साफ करने का काम तेज कर दिया है। गौरीकुंड के पास मुनकटिया में पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और बड़े बोल्डर सड़क पर आ गिरे हैं, जिससे हाईवे पूरी तरह बंद हो गया है। इस रास्ते को दोबारा चालू करने के लिए जिला प्रशासन ने बिना देर किए बड़ी मशीनें और जेसीबी काम पर लगा दी हैं। सड़क से मलबे को हटाने का काम बहुत तेजी से किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया, "मुनकटिया में सड़क जरूर बंद हुई है, जो कि गौरीकुंड के पास है। लेकिन वहां लगातार जेसीबी मशीनें काम

कर रही हैं। हमारी पूरी कोशिश है कि इस रास्ते को बहुत जल्द दोबारा गाड़ियों के आने-जाने के लिए खोल दिया जाए।" मौसम के खराब मिजाज और भूस्खलन के खतरों को देखते हुए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और सावधान है। केदारनाथ यात्रा के रास्ते पर किसी भी इमरजेंसी या मुसीबत से निपटने के लिए रेस्क्यू और रेस्पॉन्स टीमें लगातार नजर रख रही हैं, ताकि यात्रियों को तुरंत मदद दी जा सके। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि जिलाधिकारी ने सभी विभागों और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। यात्रा मार्ग पर जिन भी अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें अपने तय स्थानों पर पूरी तरह अलर्ट रहने को कहा गया है। प्रशासन का कहना है कि केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित और सही तरीके से चलाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों को भी यह सलाह दी गई है कि वे मौसम का हाल जानने और प्रशासन के नियमों को समझने के बाद ही अपनी यात्रा में आगे बढ़ें।

रोहिणी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन शार्प शूटर गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली की रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों में से दो उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के और एक दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, ये तीनों शूटर दिल्ली में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे और किसी की हत्या करने की साजिश रच रहे थे। इसी बीच रोहिणी जिला पुलिस को उनके आने-जाने की भनक लग गई और उन्हें पकड़ लिया गया। पुलिस का कहना है कि उन्हें इन शूटरों की हरकतों के बारे में पहले ही खुफिया जानकारी मिल गई थी। सूचना मिलते ही स्पेशल स्टाफ की टीम ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। इसके बाद लगातार निगरानी रखकर और तकनीकी जांच की मदद से तीनों को दबोच लिया गया।पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि इन शूटरों को विदेशों में बैठे गैंग के नेटवर्क से निर्देश मिल रहे थे। विदेशी हैंडलर से जानकारी मिलने के बाद ही इन्हें दिल्ली में वारदात को अंजाम देना था। गिरफ्तार किए गए ये शूटर दिल्ली में पहले हुई कई आपराधिक घटनाओं में शामिल थे और पुलिस को काफी समय से इनकी तलाश थी। यह भी पता चला है कि ये बदमाश पहले भी हत्या और सरेआम गोलीबारी जैसी कई संगीन वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

अमेरिका ने 140 सैन्य ठिकानों पर किया हमला, ईरान का पलटवार जारी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष लगातार गंभीर होता जा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी क्षेत्र में दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं, जिससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी हालात पर नजर बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने ओमान के दुकम बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना को रसद और ईंधन उपलब्ध कराने वाले ठिकानों को निशाना बनाया है। आईआरजीसी के अनुसार यह कार्रवाई अमेरिकी सैन्य अभियानों के जवाब में की गई है। ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि हमले नहीं रुके तो आगे और भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। ईरानी सेना ने कुवैत, बहरीन और कतर में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए। ईरान का दावा है कि इन हमलों में एयर डिफेंस सिस्टम, संचार केंद्र, रडार साइट और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। कतर के रक्षा मंत्रालय ने अपने क्षेत्र में बैलिस्टिक

मिसाइल गिरने की पुष्टि की है।दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने ईरान के खिलाफ तीसरे दौर की व्यापक सैन्य कार्रवाई पूरी होने की जानकारी दी है। अमेरिकी सेना के अनुसार, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसैनिक जहाजों की मदद से ईरान के लगभग 140 सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए गए। इन अभियानों में मिसाइल और ड्रोन केंद्र, हथियार भंडार, नौसैनिक सुविधाएं, संचार नेटवर्क तथा तटीय निगरानी चौकियों को निशाना बनाया गया।अमेरिका ने दावा किया कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हाल के सप्ताहों में 800 से अधिक व्यापारिक जहाजों और करोड़ों बैरल कच्चे तेल के सुरक्षित आवागमन में सहायता दी गई है। लगातार बढ़ते इस सैन्य टकराव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हालांकि, दोनों पक्षों के दावों और सैन्य कार्रवाई के कई विवरणों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ऑकलैंड में पीएम मोदी ने सुनाया 25 साल पुरानी न्यूजीलैंड यात्रा का दिलचस्प किस्सा

पीएम मोदी ने लोगों की तालियों और उत्साह के बीच कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत जिस गति से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है।

ऑकलैंड में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सदी की शुरुआत में न्यूजीलैंड की अपनी पहली यात्रा और उस यात्रा से भारत लौटते वक्त साथ लाई गई खास यादगार चीजों की खास यादें साझा की। ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन के साथ 'किया ओरा मोदी' (Kia Ora Modi) नाम के एक भव्य भारतीय समुदाय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, PM मोदी ने कहा कि वह अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएं साथ लाए हैं और यह उनका सौभाग्य है कि वह 40 वर्षों में न्यूजीलैंड का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि करीब 25-30 साल पहले, जब मुझे सार्वजनिक जीवन में मुझे बहुत कम लोग जानते थे, तब मुझे न्यूजीलैंड आने का अवसर मिला था। यात्रा के दौरान मुझे किसी शख्स ने एक मफलर, एक टोपी और एक दस्ताना उपहार स्वरूप दिया था। मैं आज इस कार्यक्रम में उनमें से एक चीज मफलर साथ लाया हूं।

यह मफलर, जिसे मैंने इतने सालों तक अपने पास रखा और कई बार इस्तेमाल किया। मैं इसे खास तौर पर साथ लाया क्योंकि मुझे पता चला कि यहां काफी ठंड है। मैं इसका वैसे ही ध्यान रखता हूं, जैसे मैं मेरे लिए आपके प्यार का ध्यान रखता हूं। पीएम मोदी ने ऑकलैंड में प्रवासी भारतीय समुदाय के 'किया ओरा मोदी' नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध सुखद स्मृतियों, स्थायी मित्रता, साझा मूल्यों और परस्पर प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने लोगों की तालियों और उत्साह के बीच कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत जिस गति से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड दौरे के दौरान अत्याधुनिक खेल उपकरणों से जुड़ी एक प्रदर्शनी का दौरा किया। इस प्रदर्शनी का आयोजन न्यूजीलैंड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के सहयोग से किया जा रहा है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, खेल हमेशा से भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक मजबूत ब्रिज का काम करते रहे हैं। इस साल हम इन जीवंत खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने का जश्न भी मना रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑकलैंड में प्रधानमंत्री लक्सन और मैं खेलों से जुड़ी एक प्रदर्शनी को देखने गए जहां हमने अत्याधुनिक खेल नवाचारों की एक श्रृंखला देखी। यह देखना अद्भुत था कि कैसे प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता खेलों के भविष्य को आकार देने के साथ ही भारत और न्यूजीलैंड के आपसी संबंध प्रगाढ़ कर रही है।

तालिबान के कृषि सिंचाई और पशुपालन मंत्री अताउल्लाह उमारी का भारत दौरा

एक तरफ पाकिस्तान के साथ तनाव चरम पर है तो दूसरी तरफ तालिबान भारत के साथ अपने रिश्तों को लगातार मजबूत करने में जुटा है और इसी कड़ी में तालिबान के कृषि सिंचाई और पशुपालन मंत्री अताउल्लाह उमारी का भारत दौरा कई मायनों में बेहद अहम माना जा रहा है और यह दौरा बदलते क्षेत्रीय समीकरणों और नई कूटनीतिक दिशा का भी बड़ा संकेत है और भारत पहुंचते ही अताउल्ला उमारी ने जो बात कही उसने इस दौरे की अहमियत और बढ़ा दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत और अफगानिस्तान का रिश्ता कोई आज का रिश्ता नहीं बल्कि सदियों पुराना है। उन्होंने कहा कि यहां आने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मैं अपने ही लोगों के बीच में हूं। मुझे कभी भी नहीं लगा कि मैं किसी अजनबी देश में हूं। इतना ही नहीं उन्होंने दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे जुड़ाव का जिक्र करते हुए यह तक कह दिया कि हमारा डीएनए एक है। इस बयान को तालिबान की ओर से भारत के प्रति सकारात्मक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। तालिबान चाहता है कि भारत अफगानिस्तान को आधुनिक खेती की तकनीक, अच्छे और भरोसेमंद बीज, फलों की प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और कृषि उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग व बिक्री में मदद करी। इसके अलावा तालिबान ने भारत को डेयरी, पोल्ट्री, एनिमल ब्रीडिंग और आर्टिफिशियल इंसमिनेशन जैसे क्षेत्रों में निवेश का न्योता दिया। अफगानिस्तान का कहना है कि वह केमिकल फर्टिलाइज़र्स पर निर्भरता कम करके ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देना चाहता है। साथ ही वह चाहता है कि भारत किसानों तक नई तकनीक पहुंचाने और रूरल डेवलपमेंट में भी सहयोग करें। इसके अलावा काबुल में होने वाली एग्रीकल्चर एक्सो में भारतीय कंपनियों को हिस्सा लेने का निमंत्रण भी दिया गया।

डीडीए ने 1 'यमुना डायलॉग्स' के लिए पहली स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन वर्कशॉप आयोजित की

अश्विनी वैष्णव ने कहा पेशेवरों की कमी

आईटी उद्योग को उठाना चाहिए फायदा

हैदराबाद में आईटी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का अनुमान है। उन्होंने देश के आईटी उद्योग से अपील की कि वे इस बड़े अवसर का भरपूर लाभ उठाएं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सेमीकंडक्टर उद्योग पर दिए जा रहे विशेष जोर के कारण देश में वर्तमान में 12 संयंत्र अलग-अलग चरणों में काम कर रहे हैं। इनमें से तीन संयंत्रों में चिप बनाने का काम भी शुरू हो चुका है। भारत द्वारा निर्मित ये चिप्स जापान, अमेरिका और यूरोप जैसे देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय आईटी उद्योग इस अवसर का बड़े स्तर पर फायदा उठा सकता है क्योंकि हमारे विशेषज्ञों को पता है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र में पूरी तरह से नए समाधानों को कैसे डिजाइन और विकसित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस उद्योग को मजबूत आधार देने के लिए केंद्र सरकार ने देश के 315 विश्वविद्यालयों को सबसे आधुनिक सेमीकंडक्टर 'डिजाइन टूल' उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा, भारत से निर्यात के मामले में इलेक्ट्रॉनिक्स अब तीसरी सबसे बड़ी श्रेणी बन गया है, जिसमें मोबाइल फोन का निर्यात सबसे बड़ी संख्या में किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में करीब 10 लाख पेशेवरों की कमी है, जिसका भारत के आईटी उद्योग को फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष प्रयासों से देश में 12 सेमीकंडक्टर संयंत्रों पर काम चल रहा है, जिनमें से तीन में चिप उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

मोजतबा खामेनेई ने अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की कसम खाई

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने एक बार फिर अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की कसम खाई है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल की तरफ से की गई अपने पिता की हत्या का बदला लेने का संकल्प लिया है और कहा है कि बदला लेना 'तय' है। पिता के अंतिम संस्कार के बाद मोजतबा का यह पहला बयान था। शुक्रवार को मोजतबा खामेनेई ने हाथ से लिखा एक लिखित संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा 'यह बदला हमारे देश की इच्छा है और इसे हर हाल में पूरा किया जाना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा 'यह मामला न तो मेरे व्यक्तिगत अस्तित्व पर और न ही अन्य अधिकारियों के अस्तित्व पर निर्भर करता है। हम मौजूद हों या न हों यह होकर रहेगा।' आपको बता दें कि अयातुल्ला अली खामेनेई की इजरायल और अमेरिका ने 28 फरवरी को एक हमले में हत्या कर दी थी। अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद मोजतबा खामेनेई ईरान के नये सुप्रीम लीडर बनाए गये। हालांकि वो अभी तक सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं आए हैं। लेकिन पिता के जनाजे के बाद उन्होंने पहला हाथों से लिखा बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 'ईरान हर हाल में बदला लेकर रहेगा।' उन्होंने ईरान और पड़ोसी इराक में अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने वालों का भी धन्यवाद किया जिसे उन्होंने 'दुश्मन को ध्वस्त करने वाली' भीड़ बताया। मुजतबा के संदेश में कहा गया 'मैं ईरान और इराक में खासकर तेहरान, कोम, नजफ, कर्बला और मशहद में करोड़ों लोगों की उस अद्भुत, दुश्मनों के हौसले पस्त करने वाली और ऐतिहासिक भीड़ के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं।' शुक्रवार को मशहद शहर में इमाम रज़ा दरगाह पर अली खामेनेई की हत्या के लगभग चार महीने बाद उन्हें दफनाया गया। छह दिन तक चले अंतिम संस्कार समारोह में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। हालांकि 'सुरक्षा कारणों' से मोजतबा इससे दूर रहे। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं।

फु क्वोक आइलैंड के पास टूरिस्ट को ले जा रही एक नाव पलट गई

वियतनाम के फु क्वोक आइलैंड के पास कई भारतीय टूरिस्ट को ले जा रही एक नाव पलट गई। हनोई में भारतीय दूतावास ने बताया कि हादसा शनिवार को हुआ। भारतीय मिशन ने सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहने के कारण कंट्रोल रूम बनाए हैं। दूतावास ने कहा कि लोकल अधिकारी घटना की सही जानकारी का पता लगा रहे हैं। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "एक दुखद घटना में, कई भारतीय टूरिस्ट को ले जा रही एक नाव वियतनाम में फु क्वोक आइलैंड के पास पलट गई है।" दूतावास की तरफ से कहा गया कि जानकारी और मदद देने के लिए हो ची मिन्ह सिटी में भारत के कॉन्सुलेट जनरल और हनोई में दूतावास में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। पहले कंट्रोल रूम से +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14 और +84 33 452 0414 पर संपर्क किया जा सकता है। हनोई में दूसरे कंट्रोल रूम से +84 91 308 9165 पर संपर्क किया जा सकता है। भारतीय मिशन ने कहा कि वे किसी भी मदद और सवालों के लिए उपलब्ध हैं।हादसे का शिकार हुई नाव में कुल 36 लोग सवार थे। इनमें 32 पर्यटक और चार क्रू मेंबर थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार इस हादसे में 15 लोगों के मारे जाने की आशंका है, जबकि 21 लोगों को बचा लिया गया। पीएम मोदी ने घटना पर दुख जताते हुए लिखा, "वियतनाम के फु क्वोक के पास भारतीय नागरिकों के साथ हुए नाव हादसे की दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के जल्दी ठीक होने की मेरी प्रार्थना है। हमारी एम्बेसी और कॉन्सुलेट हर मुमकिन मदद कर रहे हैं। हमारे अधिकारी भी वियतनामी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।" फु क्वोक विशेष आर्थिक क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे के आसपास हुआ। ओशन पीयर आइलैंड कंपनी की स्पीडबोट होन में रूट से आन थोई बंदरगाह तक पर्यटकों को ले जा रही थी। न्गोई से लगभग 400 मीटर की दूरी पर बोट पलट गई, जिससे नाव में सवार सभी लोग समुद्र में गिर गए। पलटी हुई नाव को देखकर आसपास की टूरिस्ट बोट मदद के लिए आईं। बचाव कार्य में शामिल एक बोट के मालिक ने बताया कि उनकी बोट लगभग पांच मिनट में घटनास्थल पर पहुंच गई, लेकिन बचाव अभियान में बाधा आई।

संपादक की कलम से

देश में आधारभूत ढांचे के विकास को लेकर एक बार फिर बड़ा संदेश सामने आया है। प्रधानमंत्री द्वारा राजस्थान और गुजरात में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास केवल दो राज्यों तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि यह भारत की विकास रणनीति का संकेत भी है। सड़क, रेल, ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल, मेट्रो और हवाई अड्डों जैसी परियोजनाएं किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती हैं। यदि इनका समय पर और प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हो, तो रोजगार सृजन, निवेश और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलती है।पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय में लगातार वृद्धि की है। इसका असर राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे आधुनिकीकरण, बंदरगाहों और ऊर्जा क्षेत्र में दिखाई भी दे रहा है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह निवेश आवश्यक है, क्योंकि बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योगों की लागत घटती है, व्यापार बढ़ता है और आम नागरिकों का जीवन भी आसान होता है।हालांकि केवल परियोजनाओं की घोषणा कर देना ही पर्याप्त नहीं है। देश ने ऐसे अनेक उदाहरण भी देखे हैं, जहां बड़े-बड़े शिलान्यास वर्षों तक अधूरे पड़े रहे या लागत कई गुना बढ़ गई। इसलिए किसी भी परियोजना की वास्तविक सफलता उसके समयबद्ध निर्माण, गुणवत्ता और जनता को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभ से तय होती है। सरकार की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि घोषित योजनाएं निर्धारित समय के भीतर पूरी हों और उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।विपक्ष का यह दायित्व भी है कि वह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित न रहे, बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन, पारदर्शिता और वित्तीय जवाबदेही पर रचनात्मक निगरानी रखे। लोकतंत्र में विकास और जवाबदेही एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां सरकार विकास का रोडमैप तैयार करती है, वहीं विपक्ष और स्वतंत्र संस्थाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि सार्वजनिक धन का उपयोग सही दिशा में हो।भारत आज विश्व की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में आधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश भविष्य की आवश्यकता है, लेकिन इसके साथ सुशासन, पारदर्शिता और पर्यावरणीय संतुलन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। विकास का उद्देश्य केवल आंकड़ों में वृद्धि नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में वास्तविक सुधार होना चाहिए।सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि विकास परियोजनाएं चुनावी राजनीति का साधन बनने के बजाय राष्ट्रीय निर्माण का माध्यम बनें। यदि योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे, रोजगार बढ़े और संसाधनों का पारदर्शी उपयोग हो, तभी भारत का विकास मॉडल वास्तव में समावेशी और टिकाऊ कहलाएगा।

एनडीए में जाने का सवाल ही नहीं

सुप्रिया सुले ने अटकलों पर लगाया विराम

सत्र की घोषणा के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सरकार विभिन्न मंत्रालयों के साथ बैठक कर विधायी कार्यसूची को अंतिम रूप देने में जुटी है, जबकि विपक्ष भी अपने साझा एजेंडे को लेकर रणनीति बना रहा है। विपक्षी दल महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, सीमा सुरक्षा, चुनावी प्रक्रिया, राज्यों के अधिकार, कानून-व्यवस्था और विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की हालिया मुलाकात को लेकर मचे सियासी बवाल के बीच एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने शुक्रवार को सभी अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की। उन्होंने इस पूरे विवाद को 'चाय के कप में उठे तूफान' जैसा बताते हुए कहा कि शरद पवार और एकनाथ शिंदे के बीच हुई मुलाकात महज एक शिष्टाचार भेंट थी। उन्होंने साफ कहा कि इस मुलाकात को जरूरत से ज्यादा राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने एनसीपी (एसपी) के भाजपा नीत एनडीए (NDA) में शामिल होने की अटकलों को भी पूरी तरह खारिज कर दिया। सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, "न तो कोई हमसे बात कर रहा है और न ही हम किसी से बात कर रहे हैं। भाजपा के साथ गठबंधन का सवाल हमारी चर्चा में कभी आया ही नहीं। ये खबरें सिर्फ अखबारों और टीवी चैनलों तक सीमित हैं।" उन्होंने दावा किया कि पार्टी के सभी आठ सांसद लगातार एक-दूसरे के संपर्क में हैं और संगठन पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी के भीतर किसी तरह की नाराजगी या असंतोष नहीं है। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा परिसर में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के कार्यालय में शरद पवार की मुलाकात के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई थीं। इसके साथ ही एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की मुलाकात तथा कुछ विधायकों की कथित नाराजगी की खबरों ने भी इन अटकलों को हवा दी थी। इसी पृष्ठभूमि में सुप्रिया सुले का यह बयान सामने आया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने शरद पवार की एकनाथ शिंदे से मुलाकात पर सवाल उठाते हुए कहा था कि इससे उनकी विश्वसनीयता प्रभावित होगी और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (MVA) के सहयोगी दलों की भावनाएं आहत हुई हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि यह केवल एक 'गलतफहमी' थी। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उनकी संजय राउत से बातचीत हो चुकी है और अब सब कुछ सामान्य है। सुप्रिया सुले ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के उस दावे को भी नकार दिया, जिसमें उन्होंने एनसीपी (एसपी) के कुछ विधायकों के असंतुष्ट होने की बात कही थी। सुले ने कहा कि पार्टी के सभी सांसद और नेता नियमित रूप से मिलते हैं, रणनीति पर चर्चा करते हैं और संगठन पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने कहा, "शरद पवार हमेशा कहते हैं कि अगर आपके बारे में चर्चा हो रही है, चाहे अच्छे कारणों से हो या बुरे कारणों से, तो इसका मतलब है कि आपकी राजनीतिक साख अभी भी मजबूत है।" उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी कहा कि पिछले कई वर्षों से उनके कथित शपथ ग्रहण समारोहों की खबरें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। लेकिन असल में ऐसा कुछ नहीं होता।

भूपेश बघेल ने चरणजीत सिंह चन्नी और उनके समर्थकों के साथ मीटिंग की

पंजाब कांग्रेस में अंतर्कलह और पार्टी नेताओं के बीच गुटबाजी खत्म करने के लिए राज्य प्रभारी भूपेश बघेल ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और उनके समर्थकों के साथ मीटिंग की। सूत्रों के मुताबिक भूपेश बघेल के साथ चन्नी-रंधावा गुट की बैठक में चन्नी और रंधावा के तल्ख तेवर बरकरार रहे किसी भी फैसले पर पहुंचने की उम्मीद ना होने पर अब पूरा विवाद आलाकमान के पास भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में चन्नी और उनके सभी समर्थक नेताओं ने भूपेश बघेल के सामने एक ही बात रखी कि अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग नेतृत्व में चुनाव नहीं लड़ना है। उन्हें हटा कर किसी और को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया जाए। क्योंकि वड़िंग के नेतृत्व में पंजाब का चुनाव नहीं जीता जा सकता। साथ ही कुछ नेताओं ने बैठक में चन्नी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की भी मांग उठाई। मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि हमारी सार्थक बातचीत हुई, जिसमें यह माना गया कि कभी-कभी पार्टी को कुछ फैसले बदलने पड़ते हैं। आज मौजूद नेतृत्व के सामने हमारी मांग साफ है।

हम पंजाब में कांग्रेस की सरकार चाहते हैं और कानून-व्यवस्था व भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को हल करना चाहते हैं। इसके लिए हमें पार्टी में एकता की जरूरत है, लेकिन हमें ऐसे नेताओं की भी जरूरत है जो निडरता और दृढ़ता से अपनी बात रखें। हमें कंप्रोमाइज लीडर नहीं चाहिए।वहीं, सुखजिंदर सिंह रंधावा के बयान पर पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि अगर उन्होंने मेरा नाम नहीं लिया है, तो कंप्रोमाइज नेता वाले उनके बयान को लेकर मुझ पर उंगली क्यों उठाई जा रही है? मैं सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ 4.5 से 5 साल तक रहा। अगर हममें से कोई भी कंप्रोमाइज नेता होता, तो हम इतने लंबे समय तक साथ नहीं रहते। पार्टी में कोई कंप्रोमाइज नेता नहीं होना चाहिए। हमारे बीच की समस्या बस कुछ दिनों की बात है।" पंजाब प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि मैंने पार्टी के कई नेताओं से उनके आवास पर मुलाकात की। हम पार्टी में किसी भी 'समझौतावादी' (कंप्रोमाइज) नेता को नहीं चाहते। हमारी पार्टी में हर नेता को अपनी शिकायतें रखने का अधिकार है। हाई कमान के फैसलों में कोई बदलाव नहीं होगा। जो भी अनुशासन की सीमा पार करेगा, पार्टी उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। सरकार बनने के बाद हाई कमान तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा।

'धैर्य हमारी ताकत है, कमजोरी नहीं'

राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग पर उमर अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर (लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर) का राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी मांग को दोहराते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को केंद्र से कहा कि वे उनके सब्र को कमजोरी न समझें। उन्होंने इसके लिए एक स्पष्ट समय-सीमा की मांग की। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार को खुद से यह पूछना चाहिए कि डेढ़ साल से ज़्यादा समय तक सत्ता में रहने के बाद भी, J&K की सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने के बारे में क्यों सोच रही है। अपनी दादी अकबर जहान की 26वीं पुण्यतिथि के मौके पर हज़रतबल में अपने दादा-दादी के मज़ार पर आयोजित पार्टी सम्मेलन में उमर अब्दुल्ला ने पूछा कि अगर केंद्र लद्दाख के लोगों से राज्य का दर्जा देने जैसी मांगों पर बात करने को तैयार है, तो जम्मू-कश्मीर के लोगों से क्यों नहीं? केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर (जिसमें तब लद्दाख का इलाका भी शामिल था) का विशेष दर्जा खत्म करने का फ़ैसला किया था, जिसके तहत उसका राज्य का दर्जा भी हटा दिया गया। हालांकि संसद ने अगस्त 2019 में राज्य के पुनर्गठन को मंज़ूरी दे दी थी, लेकिन यह बदलाव अक्टूबर में कानूनी रूप से लागू हुआ, जब उस राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख - में बांट दिया गया। उमर अब्दुल्ला ने BJP के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह उप-राज्यपाल (LG) के ज़रिए जम्मू-कश्मीर के कामकाज को कंट्रोल कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर आपको राजभवन के ज़रिए लोगों को परेशान करना था, कर्मचारियों को नौकरी से निकालना था और बुलडोज़र चलवाना था, तो फिर आपने हमें आगे क्यों किया? मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश (UT) के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी की जीत जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक सज़ा बन गई है। उन्होंने कहा कि अगर आप सरकार को काम नहीं करने देंगे, तो आपने हमें सरकार बनाने क्यों दी? इसका क्या फ़ायदा? तब तो आपको चुनाव ही नहीं करवाने चाहिए थे। अपनी दिवंगत दादी का ज़िक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि हमें धैर्य रखना होगा, जैसा उन्होंने दिखाया था। लेकिन धैर्य कमज़ोरी का

रास्ता नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने बातचीत का रास्ता चुना। उन्होंने कहा, "मैंने अपने राजनीतिक भविष्य और प्रतिष्ठा को दांव पर लगाकर केंद्र से कहा कि हम हिंसा के बजाय बातचीत के ज़रिए अपने अधिकार हासिल करना चाहते हैं, यह जानते हुए भी कि यह फ़ैसला मेरे लिए राजनीतिक रूप से बहुत जोखिम भरा हो सकता है।

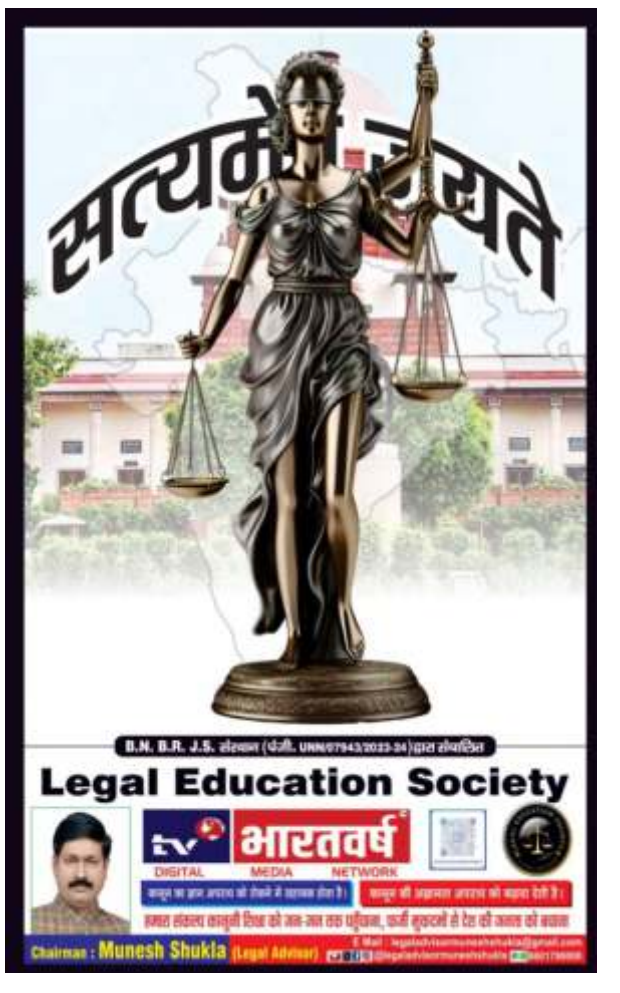

यूपी होमगार्ड भर्ती: 13 जुलाई से शुरू होगा डीवी-पीएसटी

फिजिकल टेस्ट से पहले जान लें जरूरी नियम

यूपी में होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरू होने वाला है। लिखित परीक्षा देने के बाद जो कैंडिडेट्स फिजिकल टेस्ट के लिए सफल हुए हैं, उनकी डीवी/पीएसटी परीक्षा 13 जुलाई से शुरू हो रही है। 41,424 पदों पर फिजिकल टेस्ट के लिए 1 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स को भर्ती बोर्ड ने शॉर्टलिस्ट किया है। ऐसे में जो भी कैंडिडेट्स इसमें शामिल होने जा रहे हैं, वो छोटी-छोटी बातों का खासतौर से ध्यान रखें। कई बार अच्छी तैयारी और सारी चीजें ठीक होने के बावजूद कुछ गलतियां आपको भर्ती से बाहर कर देती हैं। रिटन एग्जाम के बाद होमगार्ड की नौकरी पाने के लिए फिजिकल टेस्ट महत्वपूर्ण चरण होता है। इसका आयोजन भी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एंव प्रोन्नति बोर्ड (UPRPPB) की ओर से ही किया जाएगा। होमगार्ड भर्ती में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए कौन से डॉक्यूमेंट्स जरूरी है? दौड़ के लिए कितना समय मिलेगा? फिजिकल टेस्ट के दौरान कौन सी गलतियां ना करें? यहां एक्सपर्ट टीचर ने खुद इसके बारे में बताया है। DV के लिए कौन से डॉक्यूमेंट्स चाहिए?

यूपी होमगार्ड डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के दिन आपको ये दस्तावेज अपने साथ लेकर जाने होंगे। इसकी ओरिजनल कॉपी और फोटोकॉपी दोनों की जरूरत पड़ेगी।

होमगार्ड डीवी/पीएसटी वाला एडमिट कार्ड
आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी
10वीं की मार्कशीट
मूल निवास प्रमाण पत्र
जाति प्रमाण पत्र ओबीसी एनसीएल/एससी/एसटी सर्टिफिकेट (जो भा लागू हो स्टेट फॉर्मेट में)
पासपोर्ट कलरफुल फोटोग्राफ
होमगार्ड भर्ती का एप्लिकेशन फॉर्म

अगर फॉर्म कोई और डॉक्यूमेंट का जिक्र किया है जैसे NCC आदि। तो वो भी ले जाएं। पुरुष अभ्यर्थियों के सीने में अगर 5 सेमी से कम फुलाव, महिलाओं का वजन 40 किलोग्राम से कम होने पर सीधे इसी चरण से बाहर हो जाते हैं। इसके अलावा अगर हाइट भी तय मानकों से कम पाई जाती है, तो भी कैंडिडेट्स रिजेक्ट हो जाते हैं। संस्कृति आईएएस में होमगार्ड और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले एक्सपर्ट टीचर वैभव कौशिक सर का कहना है कि होमगार्ड फिजिकल टेस्ट से पहले सही रणनीति अपनाना बेहद जरूरी है। अगर कैंडिडेट्स कुछ गलतियां करने से बचें तो उनके सेलेक्शन के चांस बढ़ जाते हैं।

सिर्फ दौड़ की तैयारी न करें: फिजिकल टेस्ट के लिए केवल रनिंग की तैयारी करना ही पर्याप्त नहीं है। लंबाई, वजन और शारीरिक फिटनेस भी चेक की जाती है। इसीलिए इनकी भी सही तैयारी करें।

आखिरी समय पर तैयारी: अपने दिमाग में ये चीज रखें कि फिजिकल टेस्ट की तैयारी एक-दो दिन में नहीं होती। इसीलिए आखिरी समय पर तैयारी शुरू ना करें।

सही जूते और कपड़े पहनें: रनिंग वाले दिन नए या भारी जूते पहनने से बचें। हल्के और आरामदायक कपड़ों के साथ कंफर्टेबल जूते पहनकर ही सही तरीके से रनिंग होती है।

खाने-पीने का ध्यान रखें: रनिंग से पहले कुछ भी ऐसा ना खाएं। जिससे आपकी तबियत बिगड़ की संभावना हो।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स: एडमिट कार्ड के साथ आईडीप्रूफ और जरूरी डॉक्यूमेंट्स पहले ही तैयार कर लें। कई बार डॉक्यूमेंट्स भूलने के चक्कर में अभ्यर्थियों को परेशान होना पड़ता है।

बिना वार्म-अप दौड़ना: दौड़ शुरू करने से पहले 10-15 मिनट हल्की दौड़ और स्ट्रेचिंग करें। इससे बॉडी रनिंग के लिए तैयार होती है।

शुरुआत में तेज दौड़ना: कई कैंडिडेट्स दौड़ की शुरुआत में ही पूरी ताकत लगाकर तेज दौड़ना शुरू कर देते हैं और आखिर बीच में उनकी एनर्जी खत्म हो जाती है। जिससे वो जल्दी थक जाते हैं। ऐसे में सामान्य गति से दौड़ें और लास्ट डेट में स्पीड बढ़ाएं।

जर्मनी की 5 सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी के बारे में ,कहां लेना चाहिए एडमिशन

किफायती फीस के साथ टॉप-लेवल हायर एजुकेशन लेने के लिए जब भी किसी देश को चुनने की बात होती है, तो सबसे पहला नाम जर्मनी का आता है। यहां पर 60 हजार के करीब भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। किफायती ट्यूशन फीस, रहने-खाने के कम खर्च और जॉब के बढ़िया अवसरों की वजह से जर्मनी की अपील बढ़ती जा रही है। हर कोई इस देश में जाकर डिग्री लेना चाहता है, क्योंकि यहां वैल्यू फॉर मनी वाला ऑप्शन मिलता है।हालांकि, बहुत से स्टूडेंट्स जब यहां पढ़ने का प्लान करते हैं, तो उन्हें कंफ्यूजन होने लगती है कि एडमिशन के लिए किस यूनिवर्सिटी को चुनना चाहिए। इस कंफ्यूजन को दूर करने के लिए आज हम आपको उन 5 जर्मन यूनिवर्सिटीज के बारे में बताएंगे, जिन्हें टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) ने रैंक किया है। इसके साथ-साथ यहां से मिलने वाली डिग्री भी प्रतिष्ठित मानी जाती है। आइए इन यूनिवर्सिटीज के बारे में जान लेते हैं। THE रैंकिंग में टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख को 27वां स्थान मिला है। इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी, नैचुरल साइंस और इनोवेशन की पढ़ाई के लिए इसे सबसे अच्छा संस्थान माना जाता है। यूनिवर्सिटी का इंडस्ट्री की अलग-अलग कंपनियों के साथ अच्छा संबंध है, जिस वजह से स्टूडेंट्स के लिए इंटर्नशिप, स्टार्टअप्स के मौके या अडवांस्ड प्रोजेक्ट्स पर काम करना मुमकिन हो जाता है।

हरमनप्रीत कौर लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी-20, तीनों में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय बल्लेबाज बन गई

शुभमन गिल टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज के खेल की जमकर तारीफ की

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल इन दिनों लंदन में हैं। शुक्रवार को वह साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन का मेंस सिंगल्स (पुरुष एकल) सेमीफाइनल मुकाबला देखने ऑल इंग्लैंड क्लब स्टेडियम पहुंचे। मैच का आनंद लेने के साथ ही गिल ने टेनिस और क्रिकेट के बीच एक मजेदार कनेक्शन भी जोड़ा। शुभमन गिल ने स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज के खेल की जमकर तारीफ की। गिल का मानना है कि अल्कारेज के खेल में उनकी खुद की बल्लेबाजी की झलक दिखती है। गिल ने कहा कि आधुनिक टेनिस में अल्कारेज का ड्रॉप शॉट सबसे खतरनाक हथियारों में से एक है। यह शॉट उन्हें क्रिकेट के शॉर्ट-आर्म जैब की याद दिलाता है। गिल ने बताया कि शॉर्ट-पिच गेंदों पर शॉर्ट-आर्म शॉट खेलना उनका पसंदीदा और खास शॉट है, जो क्रिकेट में बेहद असरदार साबित होता है। जब गिल से पूछा गया कि वह किस टेनिस खिलाड़ी के साथ डबल्स (युगल) मैच खेलना चाहेंगे, तो उन्होंने तुरंत अल्कारेज का नाम लिया। गिल ने कहा कि अल्कारेज कोर्ट पर खेल का पूरा मजा लेते हैं, इसलिए उनके साथ जोड़ी बनाना काफी मजेदार होगा। हालांकि गिल ने यह भी माना कि उन्हें टेनिस की ज्यादा तकनीकी समझ नहीं है, फिर भी वह कोर्ट पर अपना पूरा योगदान देंगे। शुभमन गिल ने अपने ड्रीम डिनर के लिए खेल जगत के चार दिग्गजों को चुना। इनमें टेनिस से सेरेना विलियम्स और रोजर फेडरर, जबकि क्रिकेट से सचिन तेंदुलकर और सर विवियन रिचर्ड्स शामिल हैं। गिल का कहना है कि इन दिग्गजों ने अपने दौर में राज किया है और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है।

भारतीय टीम इंग्लैंड के ट्रैफिक जाम में फंस गई खिलाड़ी स्टेडियम देरी से पहुंचे,टॉस में देरी

भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज का पांचवां और आखिरी मैच साउथैम्पटन के रोज बाउल स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच के टॉस में थोड़ी देरी हो गई है। पहले टॉस भारतीय समय के अनुसार शाम 6:30 बजे होना था, लेकिन अब यह 45 मिनट की देरी से यानी शाम 7:15 बजे होगा। दरअसल, मैच से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड के ट्रैफिक जाम में फंस गई थी, जिसकी वजह से खिलाड़ी स्टेडियम देरी से पहुंचे। टॉस में देरी होने के कारण अब यह मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।इस सीरीज में अब तक टीम इंडिया का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से पीछे चल रही है। इस सीरीज का पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। इसके बाद के तीन मैच में अब तक इंग्लैंड ने एकतरफा अंदाज में टीम इंडिया को मात दी है। इस मैच में भारत हर हाल में जीत दर्ज कर सीरीज का अंत सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। अगर भारत आखिरी मैच भी हार जाता है, तो वह लगातार दूसरी बार व्हाइटवॉश का शिकार हो जाएगा। इसके साथ ही ICC T20I रैंकिंग में टीम इंडिया से नंबर 1 का ताज छीन जाएगा।इंग्लैंड से पहले भारतीय टीम ने आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेले थे। उन दोनों मैचों में आयरलैंड ने भारत को हराकर सीरीज अपने नाम की थी। यह पहली बार था जब आयरलैंड ने भारत को किसी इंटरनेशनल मैच में हराया था। अब भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी मैच जीतकर लगातार दूसरी बार सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी।

फीफा बेचेगा फाइनल मुकाबले की घास के टुकड़े

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था 'फीफा' (FIFA) कमाई करने का कोई भी मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहती। विश्व कप टिकटों की आसमान छूती कीमतों को लेकर पहले ही चौतरफा आलोचना झेल रहे फीफा ने अब एक ऐसा फैसला किया है जिसने सबको हैरान कर दिया है। फीफा अब उस ऐतिहासिक पिच की घास और मिट्टी के टुकड़ों (Pitch Turf) को बेचने जा रहा है, जहाँ इस महाकुंभ का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। फीफा पहले ही विश्व कप के टिकट और अन्य चीजों को ऊंची कीमतों पर बेचने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और अब वह न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल में इस्तेमाल होने वाली पिच के प्रत्येक टुकड़े को 450 डॉलर (लगभग 43000 रुपये) की दर से बेच रहा है। फीफा के स्टोर के अनुसार प्रत्येक टुकड़े का आकार 17.5 गुणा 17.5 गुणा 17.5 है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह आंकड़ा इंच, सेंटीमीटर या मिलीमीटर में है। फुटबॉल के शासी निकाय ने यह जानने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत जवाब नहीं दिया। फीफा की वेबसाइट पर लिखा गयाा है, "फुटबॉल इतिहास के एक प्रामाणिक हिस्से को अपने पास संजोकर रखें, जो फीफा विश्व कप 2026 के (फाइनल की) पिच का एक टुकड़ा है।" मैदान के यह टुकड़े हालांकि अमेरिका और यूरोप के पतों पर ही भेजे जाएंगे। फुटबॉल प्रेमी अभी से इसके लिए ऑर्डर कर सकते हैं और फाइनल के बाद उन्हें यह टुकड़े भेजे जाएंगे। फीफा फाइनल के लिए सामान्य टिकट 32,970 डॉलर तक में बेच रहा है। उन टिकटों की कीमत 34,500 डॉलर रखी गई है, जिनके साथ भोजन और पेय पदार्थों की सुविधा भी उपलब्ध है। फीफा इस बार कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ने पर आमादा है। फाइनल मैच के लिए सामान्य टिकटों की कीमत ही 32,970 डॉलर (लगभग 27 लाख रुपये से अधिक) तक पहुंच गई है। वहीं, जिन टिकटों के साथ खाना और ड्रिंक्स (हॉस्पिटैलिटी पैकेज) शामिल हैं, उनकी कीमत 34,500 डॉलर रखी गई है।

सपनों का आशियाना बना मानसिक तनाव का कारण

1.5 करोड़ का घर खरीदने के बाद पछता रहा शख्स

हर इंसान का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो. सालों की मेहनत, सेविंग और भविष्य के सुनहरे सपनों को ध्यान में रखकर लोग बड़ा होम लोन लेते हैं. लेकिन कभी-कभी जिंदगी अचानक ऐसा मोड़ ले लेती है कि वही सपना सबसे बड़ी चिंता बन जाता है. कुछ ऐसा ही हुआ एक व्यक्ति के साथ, जिसने अच्छी कमाई के भरोसे 1.5 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीद लिया, लेकिन कुछ ही समय बाद हालात इतने बदल गए कि अब उसे अपने फैसले पर पछतावा हो रहा है. इस व्यक्ति ने अपनी कहानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर शेयर की. उसने बताया कि करीब एक साल पहले, जब उसकी सालाना कमाई लगभग 25 लाख रुपये थी, तब उसने 1.5 करोड़ रुपये का अपार्टमेंट खरीद लिया. उस समय उसे लगा कि उसकी इनकम लगातार बढ़ेगी और वह आराम से होम लोन की ईएमआई चुका पाएगा.

महिला ने शेयर किया अपना अनुभव

भारत से अलग है जर्मनी का जॉब मार्केट

जर्मनी में रहने वाली एक भारतीय महिला ने सोशल मीडिया पर बताया कि वहां नौकरी पाना भारत की तरह आसान नहीं है. उनके अनुसार जर्मनी में कैंपस प्लेसमेंट की सुविधा नहीं होती और नौकरी के लिए हर उम्मीदवार को खुद आवेदन करना पड़ता है.

काफी ज्यादा कंपटीशन,लैंग्वेज बैरियर और लगातार मिलने वाले रिजेक्शन इस प्रक्रिया का हिस्सा हैं. हालांकि उन्होंने कहा कि धैर्य और लगातार कोशिश करने वाले लोगों को आखिरकार सफलता जरूर मिलती है.

विदेश में पढ़ाई या नौकरी करने का सपना हर साल हजारों भारतीय छात्र देखते हैं. कई लोगों को लगता है कि एक बार जर्मनी जैसे विकसित देश पहुंच गए तो अच्छी नौकरी आसानी से मिल जाएगी. लेकिन जर्मनी में रहने वाली भारतीय महिला श्रुति ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि वहां नौकरी पाना बिल्कुल भी आसान नहीं है. उन्होंने बताया कि जर्मनी में भर्ती प्रक्रिया भारत से काफी अलग है और नौकरी पाने के लिए लंबे समय तक धैर्य, मेहनत और लगातार कोशिश करनी पड़ती है. श्रुति ने अपनी पोस्ट की सीरीज का नाम जर्मनी में जॉब कि रियलिटी रखा है.

अजगर को मुंह में दबाकर ले गया बाघ

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से सामने आए एक दुर्लभ वीडियो में बाघ अजगर को अपने मुंह में दबाकर जंगल की ओर जाता दिखाई दे रहा है. पर्यटकों के सामने कैद हुआ यह हैरतअंगेज नजारा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

जंगल में कब क्या देखने को मिल जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है. उत्तराखंड के कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से ऐसा ही एक दुर्लभ वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को हैरान कर दिया है. वीडियो में एक विशाल बाघ अजगर (पाइथन) को अपने जबड़ों में दबाकर आराम से जंगल की ओर जाता दिखाई देता है. यह नजारा वहां मौजूद पर्यटकों के कैमरे में कैद हो गया.वीडियो को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर साकेत बडोला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया. उन्होंने कैप्शन में लिखा किकॉर्बेट में आए हैं तो किसी भी पल कुछ भी देखने को मिल सकता है. बताया गया कि इस वीडियो को भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी भानुदास पिंगले ने रिकॉर्ड किया. वायरल वीडियो में बाघ पहले कुछ देर तक सांप के पास मंडराता नजर आता है. इसके बाद वह झुककर अजगर को अपने मुंह में पकड़ता है और अच्छी पकड़ बनाने के लिए उसे थोड़ा इधर-उधर करता है. फिर चारों ओर नजर दौड़ाने के बाद बाघ अजगर को मुंह में दबाकर झाड़ियों की ओर चला जाता है.यह पूरा दृश्य इतना दुर्लभ था कि वहां मौजूद पर्यटक भी इसे देखकर हैरान रह गए. वीडियो वायरल होने के बाद यूजर्स ने भी हैरानी जताई. एक यूजर ने लिखा कि जिंदगी में शायद एक बार ही ऐसा नजारा देखने को मिलता है.

क्या बाघ सांपों का शिकार करते हैं?

वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, बाघ का मुख्य भोजन हिरण, जंगली सूअर, गौर और दूसरे बड़े स्तनधारी जानवर होते हैं. हालांकि, अवसर मिलने पर वे दूसरे छोटे जानवरों या सरीसृपों पर भी हमला कर सकते हैं. ऐसे मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए कॉर्बेट का यह वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है.

अमेरिका में बार्बर कितना पैसा कमाते हैं?

भारत में कुछ ही ऐसे प्रोफेशन हैं, जिन्हें सबसे ज्यादा सम्मान और अच्छी कमाई वाला माना जाता है. ज्यादातर युवा डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी अधिकारी बनने का सपना देखते हैं. लेकिन हर पेशे की अपनी एक खास स्किल और अहमियत होती है. अगर भारत में किसी से पूछा जाए कि एक बार्बर कितना कमाता है, तो ज्यादातर लोग इसकी कमाई का अंदाजा आसानी से लगा लेंगे. लेकिन अमेरिका में तस्वीर काफी अलग है.

'जना नायकन' का नया पोस्टर जारी, CBFC से मिली 'A' सर्टिफिकेट की मंजूरी; जल्द होगी थलापति विजय की आखिरी फिल्म रिलीज

तमिल सुपरस्टार और अभिनेता-नेता सी. जोसेफ विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जना नायकन' एक बार फिर चर्चा में है। शनिवार, 11 जुलाई को विजय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर साझा कर प्रशंसकों की उत्सुकता और बढ़ा दी। लंबे समय से इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे फैंस के लिए यह पोस्टर किसी बड़े संकेत से कम नहीं माना जा रहा है। खास बात यह है कि राजनीति में पूरी तरह सक्रिय होने से पहले यह विजय की आखिरी फिल्म मानी जा रही है, इसलिए इसे लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है।एच. विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म को हाल ही में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने 'A' सर्टिफिकेट के साथ मंजूरी दे दी है। सेंसर बोर्ड की स्वीकृति के साथ फिल्म की रिलीज को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सर्टिफिकेशन के अनुसार फिल्म की कुल अवधि 2 घंटे 33 मिनट है।'जना नायकन' पहले 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अंतिम समय में सर्टिफिकेशन से जुड़ी तकनीकी और औपचारिक अड़चनों के कारण इसकी रिलीज टालनी पड़ी। इसके बाद कई महीनों तक फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक अपडेट सामने नहीं आया, जिससे प्रशंसकों की उत्सुकता और बढ़ती गई। अब लगभग सात महीने बाद सेंसर बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद फिल्म की रिलीज का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है।विजय द्वारा जारी किए गए नए पोस्टर पर 'A Certified, Coming Soon' लिखा हुआ है। पोस्टर की सबसे खास बात यह है कि इसमें विजय को "तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय" के रूप में प्रस्तुत किया गया है। हालांकि अभिनेता ने पोस्ट के साथ कोई कैप्शन नहीं लिखा, लेकिन पोस्टर ने सोशल मीडिया पर चर्चा का माहौल बना दिया है।फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है। हालांकि, फिल्म के कनाडाई डिस्ट्रीब्यूटर की एक पोस्ट और टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म 'डिस्ट्रिक्ट' पर इसकी लिस्टिंग से संकेत मिले हैं कि 'जना नायकन' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म में विजय के साथ पूजा हेगड़े, ममिता बैजू और बॉबी देओल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब दर्शकों की निगाहें मेकर्स की आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा पर टिकी हैं, क्योंकि यह फिल्म विजय के फिल्मी करियर का एक यादगार अध्याय मानी जा रही है।

2027 चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा,

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

लखनऊ में भाजपा की बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन हुआ। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शनिवार को राजधानी लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने की, जबकि संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने संगठनात्मक रणनीति और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में पार्टी की नई प्रदेश टीम के साथ संगठन के विभिन्न पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। BJP की बैठक को आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने तथा कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति के अनुरूप सक्रिय करने पर विस्तार से मंथन किया गया। भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता के आधार पर लड़ा जाएगा। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि प्रत्येक बूथ पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाए तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संगठन के पदाधिकारियों से कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में बूथ प्रबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। पार्टी का मानना है कि चुनावी सफलता की सबसे मजबूत कड़ी बूथ स्तर का संगठन होता है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ता, नियमित संवाद, जनसंपर्क अभियान और संगठनात्मक गतिविधियों को और तेज करने की रणनीति बनाई गई। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं को स्थानीय मुद्दों, सरकारी योजनाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से जनता से लगातार जुड़े रहने की जरूरत है। संगठन को निर्देश दिए गए कि बूथ समितियों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए और नियमित समीक्षा की जाए। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों, आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और रोजगार जैसे विषयों को जनता तक प्रभावी तरीके से पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता होगी। निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में कार्यकर्ता घर-घर संपर्क अभियान चलाकर सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगे। साथ ही विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों का तथ्यात्मक जवाब भी जनता के बीच

लखनऊ जीपीओ में अब सप्ताह के सातों दिन मिलेगी आधार सेवा

राजधानीवासियों के लिए राहत और सुविधा की बड़ी खबर है। अब जिन लोगों का अभी तक आधार कार्ड नहीं बन पाया है या जिन्हें अपने आधार में किसी प्रकार का संशोधन अथवा अपडेट कराना है, उन्हें लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नागरिकों की बढ़ती जरूरतों और आधार सेवाओं की मांग को देखते हुए लखनऊ स्थित मुख्य डाकघर (जीपीओ) ने आधार सेवाओं का समय बढ़ाने के साथ-साथ सप्ताह के सातों दिन (राजपत्रित अवकाश को छोड़कर) यह सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के अनुसार अब सोमवार से शनिवार तक लखनऊ जीपीओ में आधार से संबंधित सभी सेवाएं सुबह 08:00 बजे से रात 08:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। वहीं रविवार को भी नागरिकों को निराश नहीं लौटना पड़ेगा। अवकाश के दिन भी सुबह 08:00 बजे से दोपहर 04:00 बजे तक आधार सेवाएं जारी रहेंगी। केवल राजपत्रित अवकाश के दिनों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। विस्तारित समय के कारण अब लोगों को अपनी नौकरी, व्यापार या अन्य आवश्यक कार्यों के बीच समय निकालने में परेशानी नहीं होगी और वे अपनी सुविधा के अनुसार आधार संबंधी कार्य आसानी से करा सकेंगे।

लखनऊ में थमी मानसून की रफ्तार, फिर बढ़ेगी गर्मी

लखनऊ में आज रविवार को सुबह से मौसम साफ है। सुबह से धूप निकली हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की सक्रियता कम हो गई है, जिससे अब फिर भीषण गर्मी पड़ेगी। आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया जाएगा। दिन में 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना है। शनिवार को अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.3 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.5 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 95 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 60 फीसदी दर्ज की गई। लखनऊ में 11 जुलाई को 20.8 मिलीमीटर बरसात हुई है। यह सामान्य बारिश 8.4 मिलीमीटर से 148 फीसदी अधिक है। 1 जून से 11 जुलाई तक लखनऊ में 95.8 मिलीमीटर बरसात हुई। जबकि सामान्य बारिश का औसत 158.3 मिलीमीटर है। लखनऊ में सामान्य से 40 फीसदी कम बरसात हुई है। बंगाल की खाड़ी में बना निम्नदाब क्षेत्र दक्षिण-पश्चिमी उत्तर

प्रदेश तक पहुंचने के बाद अब धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इसके कमजोर होकर चक्रवाती परिसंचरण में बदलने और मानसूनी द्रोणी के उत्तर की ओर खिसकने के कारण प्रदेश में मानसून की सक्रियता कम होने लगेगी। पिछले कुछ दिनों में उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश हुई और कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई। लेकिन अब मौसम में बदलाव के संकेत हैं। अगले 3 से 4 दिनों के दौरान पूर्वांचल को छोड़कर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियां काफी कम रहने की संभावना है। इससे तापमान में फिर से बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना बनी रहेगी।

लखनऊ एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा, बर्ड हिट के बाद सुरक्षित लैंडिंग

राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा उस समय टल गया, जब दुबई से आ रही फ्लाई दुबई (Flydubai) की अंतरराष्ट्रीय उड़ान एफजेड-443 (FZ-443) लैंडिंग से ठीक पहले बर्ड हिट (पक्षी से टकराने) का शिकार हो गई। विमान में 163 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। पक्षी के टकराने के बाद पायलट ने तुरंत स्थिति की गंभीरता को समझते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने का निर्णय लिया। पायलट की सतर्कता और एयरपोर्ट प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते सभी यात्रियों की जान सुरक्षित बच गई और एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार फ्लाई दुबई की उड़ान एफजेड-443 शनिवार तड़के दुबई से रवाना हुई थी और निर्धारित समय के अनुसार सुबह लगभग 6:35 बजे लखनऊ पहुंचने वाली थी। विमान जब चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास पहुंचा और लैंडिंग की तैयारी कर रहा था, तभी अचानक एक पक्षी विमान से टकरा गया। घटना के बाद कॉकपिट में मौजूद पायलट ने तुरंत विमान की स्थिति का आकलन किया और एहतियात के तौर पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को पूरी जानकारी देते हुए सुरक्षित लैंडिंग की अनुमति मांगी।

लखनऊ में अपर प्रधान न्यायाधीश की कार हादसे का शिकार

लखनऊ के गोमतीनगर के लोहिया चौराहे पर लालबत्ती पर रुकी अपर प्रधान न्यायाधीश (पारिवारिक न्यायालय) बाराबंकी की कार को तेज रफ्तार थार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक ने भागने के दौरान उसे रोक रहे ट्रैफिक सिपाही पर भी गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। गोमतीनगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, बाराबंकी के देवा रोड स्थित अभय नगर निवासी ड्राइवर संतोष गुप्ता 10 जुलाई की शाम करीब 6:45 बजे अपर प्रधान न्यायाधीश श्रीकृष्ण कुमार को उनकी मारुति अर्टिगा (UP32 LU 9252) से कैसरबाग से बाराबंकी लेकर जा रहे थे। कार में न्यायाधीश के साथ उनकी पत्नी और बच्चे भी सवार थे। फन मॉल से आगे लोहिया चौराहे पर रेड लाइट होने पर कार रुकी थी। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार थार (UP62 DK 1200) ने अर्टिगा में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे लोगों को तेज झटका लगा।

जमीन कब्जाने के आरोप पर महिलाओं ने सुशांत गोल्फ सिटी थाना घेरा

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने का क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने शनिवार दोपहर करीब 2:20 बजे घेराव किया। वे हाथों में 'योगीजी, मदद करें' लिखे हुए पोस्टर लेकर पहुंचीं। महिलाओं ने आरोप लगाया है कि जेल में बंद पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति और उनके आदमियों ने जमीन कब्जा की है। एक दलित महिला ने कहा- खनन माफियाओं ने उनके पति को शराब पिलाकर जमीन का एग्रीमेंट करवा लिया। इसके बाद उसे अन्य को बेच दिया। हरिहरपुर सुशांत गोल्फ सिटी निवासी छाया पत्नी प्रेम रावत ने पुलिस को इस मामले में तहरीर दी है। इसमें बताया कि उनके पति से खनन माफिया गायत्री प्रजापति और गुड्डा देवी ने कई साल पहले जो जमीन आवास विकास में चली गई थी। उसका शराब पिलाकर एग्रीमेंट करवा लिया। इसके अलावा अन्य लालच भी दिए। इस दौरान गुमराह करके छाया से भी हस्ताक्षर करवा लिए गए। छाया रावत ने बताया- मेरे पति की 10 साल पहले मौत हो गई थी। वहीं महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है। कुछ समय पहले मैं अपनी जमीन देखने गई तो देखा कि वहां पर बाउंड्री खड़ी है। वहां मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि गायत्री प्रजापति और गुड्डा देवी से खरीदा है। इसके बाद मुझको वहां

से भगा दिया गया। इस दौरान मैंने अपनी जमीन बचाने का प्रयास किया तो वहां पर खनन माफिया गायत्री प्रजापति और उसके साथी गुड्डा देवी, बबलू मिश्रा, दिनेश यादव, राज बहादुर वकीलों के कपड़े में पहुंचे और दबाव में लिया। जेल में बंद गायत्री प्रजापति से फोन पर बात कराई। फोन पर मुझसे काफी गाली-गलौज की गई। गायत्री प्रजापति व गुड्डा देवी के खिलाफ सीबीआई व ईडी द्वारा मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उनके सभी जमीन को खरीदने बेचने पर रोक लगा दी है। इसके बावजूद यह लोग हरिहरपुर में जमीन खरीद रहे हैं। वहीं गायत्री प्रजापति जेल से बीमारी का बहाना बनाकर अधिकारी की मिली भगत से मेडिकल कॉलेज से प्रॉपर्टी डीलिंग कर चुनाव के लिए पैसा इकट्ठा कर रहा है।

गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग

चुनाव में गौमाता के नाम पर मतदान की अपील

अंग्रेजों ने गाय को पशु माना था। दुर्भाग्य यह है कि हमने और राजनीतिक पार्टियाेंं ने आजादी के बाद से गाय को राष्ट्र माता मानने के लिए प्रयास नहीं किए। अगले चुनाव में गाय माता के नाम पर मतदान करें। ये बातें शुक्रवार को गांव हफीजाबाद के बलखंडेश्वर धाम में आयोजित धर्मसभा में ज्योतिषपीठाधीश्वर एवं द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कही। भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि श्रीराम के नारे से ही कोई सनातनी या धर्मावलंबी नहीं हो सकता है। विश्व में मांस उत्पादन में भारत पहले नंबर पर है, जिसमें गाय का मांस भी शामिल है। यह हम सभी के लिए शर्मनाक है। देश के मांस उत्पादन में 50 फीसदी उत्तर प्रदेश की भागीदारी है। रोष व्यक्त करते हुए कहा कि मांस व्यापार में गेरुआधारी महाराज भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के मुफ्त अनाज को खाने से भी हम सभी की बुद्धि भ्रष्ट हो रही है, क्योंकि इस अनाज में भी मांस का धन शामिल है। उन्होंने अपील की कि इस बार चुनाव में सभी गाय माता के नाम पर मतदान करें। शंकराचार्य ने बांगरमऊ विधानसभा में गऊ धाम की स्थापना की बात कही। इसके लिए सर्वसहमति से शशांक शेखर शुक्ला को प्रभारी बनाया गया। अपील की कि गऊ धाम में सभी लोग यथाशक्ति आर्थिक सहयोग करें। इस मौके पर पूर्व विधायक बदलू खां, सीके त्रिपाठी, मुन्ना अल्वी, महेश कश्यप, आलोक त्रिपाठी, स्वामी शंकर यादव, लवकुश यादव भी मौजूद रहे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हमारा देश कभी विश्वगुरु था, लेकिन आज विश्व का सबसे बड़ा मांस निर्यातक है। जो विश्वगुरु था आज विश्व कसाई बन गया है। सवालिया लहजे में कहा कि ये बताइये कोई कंपनी होती है तो उसका डायरेक्टर होता है। उसी तरह सरकार का मुखिया ही सरकार होता है। देश के अन्य सभी प्रदेश जितना मांस निर्यात करते हैं, उतना अकेले उत्तर प्रदेश करता है। गो रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा में जा रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के अंडरपास के पास हरदोई-उन्नाव मार्ग पर स्वागत किया गया। इसके बाद लखनऊ रोड चौराहे पर यात्रा का स्वागत हुआ। यहां से यात्रा आगे रवाना हो गई। प्रमुख रूप से सपा नेता शशांक शेखर शुक्ला, राजीव बाजपेई, आचार्य ऋषिकांत मिश्र, गुड्डू शुक्ला आदि लोग रहे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने नगर के प्राचीन सिद्धि पीठ मां शंकरी देवी मंदिर में दर्शन पूजन किया। उन्होंने कहा कि गाय माता संकट में है। गो भक्तों के साथ सरकार ने छल किया है। कहा कि जो गाय को माता न मानकर पशु मानता हो, क्या आप लोग उसको हिंदू मानोगे? सरकार के सामने ऐसी कौन सी विवशता है जो गाय माता को राष्ट्र माता घोषित नहीं कर रही है।

लाखों रुपये मूल्य के यूकेलिप्टस के पेड़ों की अवैध कटान

उन्नाव जिले की पुरवा तहसील के हिलौली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सन्दाना के मजरे शिवराजखेड़ा में नौ जुलाई को लाखों रुपये मूल्य के यूकेलिप्टस के पेड़ों की अवैध कटान हुई। यह कटान पंचायत की सुरक्षित भूमि से की गई है। लेखपाल ने इस मामले में जल्द ही मुकदमा दर्ज करने की बात कही है। यह मामला तब सामने आया जब सुबह से हो रही तेज बारिश के दौरान करीब 10 बजे गाटा संख्या 814 पर पेड़ों की कटान शुरू हो गई। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन हरकत में आया। शुरुआत में लेखपाल कृष्णपाल को इसकी जानकारी दी गई, जिन्होंने अवकाश पर होने की बात कही। इसके बाद उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव को सूचित किया गया। उपजिलाधिकारी ने तत्काल डायल 112 टीम को मौके पर भेजकर पेड़ों की कटान रुकवाई। देर शाम लेखपाल कृष्णपाल मौके पर पहुंचे और कटे हुए पेड़ों का आकलन किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षित भूमि से पेड़ों की कटान का मामला सत्य पाया गया है। कटान कराने वाले व्यक्ति ने जानकारी देने में सहयोग नहीं किया। जानकारी लेने पर 06:30 बजे कृष्णपाल लेखपाल ने बताया कि पेड़ों की कीमत का आकलन करके एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर भेज दी गई है, जिसके आधार पर एक-दो दिन में मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कालिका ने एक बही-खाता दिखाया था, जिसमें यह भूमि कभी उसके नाम थी, लेकिन अब खारिज हो चुकी है।

बीएसए कार्यालय की बिल्डिंग उपयोग में आए बिना ही हो गई जर्जर

जिले का बेसिक शिक्षा विभाग उधार की बिल्डिंग में चल रहा है। 39 साल पहले बनना शुरू हुआ कार्यालय का भवन, दो बार एस्टीमेट रिवाइज करने और 49.09 लाख रुपये से ज्यादा खर्च के बाद भी पूरा नहीं बन सका। बिल्डिंग जर्जर घोषित कर दी गई अब 4.70 करोड़ रुपये से नए भवन का निर्माण कराया जा रहा है। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में चल रहे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के लिए अलग भवन के लिए 31 जुलाई 1987 को सरकार ने स्वीकृति दी थी। पीडब्ल्यूडी के 25.48 लाख रुपये के एस्टीमेट को स्वीकृत करते हुए शासन ने वर्ष 1994-95 में 7.058 लाख रुपये जारी किए। बजट मिलने में देरी से कार्यालय भवन की लागत बढ़ती गई। पीडब्ल्यूडी ने काम पूरा कराने के लिए 10 अगस्त 1998 को एस्टीमेट में 12.74 लाख रुपये खर्च बढ़ाते हुए 38.22 लाख रुपये का पुनरीक्षित एस्टीमेट स्वीकृत कराया। हालांकि एक बार फिर बजट में कई साल की देरी से लागत बढ़ गई तो वर्ष 2002 में फिर एस्टीमेट में 36.35 लाख रुपये की बढ़ोतरी कर 74.57 लाख रुपये का संशोधित एस्टीमेट स्वीकृत कराया। जैसे-तैसे दो मंजिला इमारत का ढांचा तो बन गया लेकिन फिनिशिंग का काम नहीं हो सका और धीरे-धीरे इमारत खंडहर हो गई। शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल की लगातार पैरवी के बाद शासन ने बीएसए कार्यालय के लिए डायट के पास नई बिल्डिंग बनाने की स्वीकृति दी है। इस पर चार करोड़ 70 लाख 96 हजार रुपये हो रहे हैं। पीतांबर नगर मोहल्ले में कार्यालय की नई बिल्डिंग बन रही है। अभी काम पूरा होने में करीब छह महीने का समय लगेगा। बिल्डिंग बनकर तैयार होने के बाद कार्यालय को उसी बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

बांगरमऊ-संडीला मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग 10 घंटे के लिए बंद कर दी गई, लोग परेशान

कानपुर-बालामऊ रेलवे लाइन पर मरम्मत कार्य के चलते शुक्रवार को बांगरमऊ-संडीला मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग 10 घंटे के लिए बंद कर दी गई। पूर्व सूचना न होने से तमाम राहगीर क्रॉसिंग तक पहुंच गए। क्रॉसिंग बंद मिलने पर कुछ लोगों की रेलवे कर्मियों से नोकझोंक भी हुई। हालांकि बाद में वैकल्पिक मार्ग की जानकारी देकर रवाना किया गया। सीनियर सेक्शन इंजीनियर सफीपुर जितेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि रेलपथ की मरम्मत के कारण शुक्रवार सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक रेलवे क्रॉसिंग बंद रखी गई। क्रॉसिंग बंद होने से संडीला और बांगरमऊ के बीच आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी हुई। कई वाहन चालकों को लंबा चक्कर लगाकर गंतव्य तक जाना पड़ा। राहगीरों के लिए वैकल्पिक मार्ग के लिए संडीला की ओर से आने वाले वाहन जोगीकोट के पास से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन होते हुए नसिरापुर अंडरपास से हरदोई-उन्नाव मार्ग के जरिये बांगरमऊ पहुंच सकते हैं। वहीं, बांगरमऊ से संडीला जाने वाले वाहन तिकोनिया तिराहे से हरदोई-उन्नाव मार्ग और एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन के रास्ते संडीला मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। रेलवे अधिकारियों ने मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद शाम छह बजे क्रॉसिंग को पुनः खोलने की बात कही। बाइक चालक लिंक मार्गों से निकलते रहे। क्रॉसिंग बंद होने से तमाम लोग रेलवे फाटक पर जमा हो गए। बिना पूर्व सूचना क्रॉसिंग बंद होने से आक्रोशित लोग रेलवे कर्मियों से बहस करने लगे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी इसकी पुष्टि नहीं करती है। हंगामे की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया।

24 घंटे में मुश्किल से चार घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही

स्थानीय पॉवर हाउस के चमरौली द्वितीय फीडर से जुड़े 40 गांवों में पिछले 10 दिनों से बिजली आपूर्ति बे-पटरी है। कभी टहनियों की छटाई तो कभी जर्जर तारों की मरम्मत के नाम भी बिजली बंद रखी जाती है। रोजाना चार घंटे भी बिजली न मिल पपाने से उपभोक्ताओं में आक्रोश है। सोनिक पावर हाउस के चमरौली द्वितीय फीडर से तारगांव, ओरहर, चांदपुर, रायपुर बुजुर्ग, जमुका व दुआ गांव के साथ इनके 40 मजरों की 25 हजार आबादी की विद्युत आपूर्ति होती है। उपभोक्ताओ में कल्लू सिंह, संतोष, ब्रजेश रावत, इरशाद, शिवम शुक्ला व शिव विनोद ने बताया कि आए दिन लाइन फाल्ट में बनी रहती है। जब फाल्ट सही होता है तब टहनियों की छटाई शुरू कर देते हैं। बृहस्पतिवार को दिन से लेकर रात 12 बजे लाइट फाल्ट में रही। उपभोक्ताओं ने इसकी शिकायत जेई रणवीर सिंह व अधिशाषी अभियंता से की। रात 12 बजे के बाद आपूर्ति चालू हो सकी। शुक्रवार सुबह पांच बजे फिर आपूर्ति ठप कर दी गई। बताया कि पिछले 10 दिनों से बिजली आपूर्ति धड़ाम है। 24 घंटे में मुश्किल से चार घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है। उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी है कि इस फीडर में विभाग द्वारा शीघ्र जर्जर तार बदलने व छटाई का कार्य नहीं कराया गया तो उपकेंद्र का घेराव करने को मजबूर होंगे। एक्सईएन हिमांशु गौतम ने बताया कि जेई से जानकारी लेकर बिजली आपूर्ति में सुधार कराया जाएगा।

31 पशुओं का परिवहन करते हुए पांच वाहनों को पकड़ा गया

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में अवैध रूप से 31 पशुओं का परिवहन करते हुए पांच वाहनों को पकड़ा गया है। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पशुओं की खरीद और परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज न मिलने पर यह कार्रवाई की गईयह घटना बीते गुरुवार को सामने आई, जब गुजरात से आए जूना अखाड़ा के संतों और उनके समर्थकों ने गदनखेड़ा बाइपास के पास पांच अलग-अलग वाहनों में भैंस और पड़वा ले जाते हुए देखा। संदेह होने पर उन्होंने वाहनों को रुकवाया और चालकों से पशुओं के खरीद-परिवहन के दस्तावेज मांगे। कोई भी चालक आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। दस्तावेज न मिलने पर संतों और उनके समर्थकों ने कानपुर-लखनऊ हाईवे पर विरोध प्रदर्शन करते हुए कुछ समय के लिए जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम खुलवाया। इसके बाद पुलिस ने सभी पांचों वाहनों को कब्जे में ले लिया। ललऊखेड़ा चौकी प्रभारी रविशंकर मिश्र ने बताया कि वाहनों की जांच में कुल 28 भैंस और तीन पड़वा लदे मिले। प्रथम दृष्टया पशुओं के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे, जिसके आधार पर पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शनिवार को इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें कानपुर निवासी हसीन अहमद, महाराजपुर निवासी हफीज, अकबरपुर कस्बा निवासी कुरैशी शहनवाज, उन्नाव निवासी नसीब अली और मध्य प्रदेश के छतरपुर निवासी सोम आदिवासी शामिल हैं। एक अन्य आरोपी, कानपुर के नौबस्ता निवासी अजय, मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों के विरुद्ध सदर कोतवाली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बरामद पशुओं को सुरक्षित संरक्षण में भेजने की कार्रवाई की गई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि पशुओं को कहां से लाया गया था और उन्हें किस स्थान पर ले जाया जा रहा था।

लखनऊ में भाजपा की अहम बैठक चुनावी रणनीति और संगठन विस्तार पर मंथन

बैठक में शामिल होने पहुंचे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा का संगठन हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि यह बैठक संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी रणनीति तय करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शनिवार को राजधानी लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने की, जबकि संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने संगठनात्मक रणनीति और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में पार्टी की नई प्रदेश टीम के साथ संगठन के विभिन्न पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। BJP की बैठक को आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने तथा कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति के अनुरूप सक्रिय करने पर विस्तार से मंथन किया गया। भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता के आधार पर लड़ा जाएगा। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि प्रत्येक बूथ पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाए तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संगठन के पदाधिकारियों से कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में बूथ प्रबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। पार्टी का मानना है कि चुनावी सफलता की सबसे मजबूत कड़ी बूथ स्तर का संगठन होता है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ता, नियमित संवाद, जनसंपर्क अभियान और संगठनात्मक गतिविधियों को और तेज करने की रणनीति बनाई गई। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं को स्थानीय मुद्दों, सरकारी योजनाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से जनता से लगातार जुड़े रहने की जरूरत है। संगठन को निर्देश दिए गए कि बूथ समितियों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए और नियमित समीक्षा की जाए। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों, आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और रोजगार जैसे विषयों को जनता तक प्रभावी तरीके से पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता होगी। निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में कार्यकर्ता घर-घर संपर्क अभियान चलाकर सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगे। साथ ही विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों का तथ्यात्मक जवाब भी जनता के बीच दिया जाएगा। बैठक को केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता से भी जोड़कर देखा जा रहा है। हाल ही में भाजपा के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के प्रभारी नितिन नवीन के प्रदेश दौरे के बाद संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी आई है। पार्टी अब चुनावी तैयारियों को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरतना चाहती। बैठक में आगामी महीनों के कार्यक्रमों, प्रशिक्षण शिविरों, सदस्यता विस्तार, जनसंपर्क अभियानों और विभिन्न मोर्चों की भूमिका पर भी चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि संगठन को हर स्तर पर अधिक प्रभावी और सक्रिय बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जाएंगे।

अजय राय ने PMO, RSS और VHP पर साधा निशाना

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर PMO, RSS और VHP पर निशाना साधा है। अजय राय ने आरोप लगाया कि RSS और VHP के लोग राम मंदिर चंदा एवं चढ़ावा चोरी में शामिल हैं। अजय राय ने कहा- ये सभी लोग चोर हैं। UP कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर बड़ा बयान दिया है। अजय राय ने कहा- कुछ दिन पहले इन्होंने ही कहा था कि चंपत राय निर्दोष हैं। VHP (विश्व हिंदू परिषद) के अध्यक्ष ने ही कहा था कि चंपत राय निर्दोष हैं, अब वे कह हैं कि वे चोर हैं। इसमें शामिल सभी लोग चोर हैं। चाहे वे विश्व हिंदू परिषद (VHP) के हों या RSS के लोग हों...सभी लोग चोर हैं। चंपत राय ने यह पैसा अपने लिए नहीं लिया। इस चोरी के तार RSS मुख्यालय से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) तक सभी को जोड़ते हैं। पूरा राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष की देखरेख में चलता है। चूंकि यह लूट हो रही है, इसलिए मामला PMO, RSS मुख्यालय और विश्व हिंदू परिषद से समान रूप से जुड़ा हुआ है। चंपत राय ने यह सुनिश्चित किया कि सभी को उनका उचित हिस्सा मिले। भगवान राम को चढ़ाए गए चंदे का पैसा सभी तक पहुंचा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच तेजी से चल रही है। अब तक जांच टीम ने आरोपियों के पास से करीब 80 लाख रुपए और आभूषण बरामद किए हैं। अविनाश शुक्ला के पास से 20.39 लाख रुपए और गहने बरामद हुए हैं। करुणेश पांडे के पास से 18.63 लाख रुपए, अनुकल्प मिश्रा के पास से 16.82 लाख रुपए, लवकुश मिश्रा के पास से 14.25 लाख रुपए, रमाशंकर मिश्रा के पास से 7.32 लाख रुपए और मनीष यादव के पास से 2 लाख रुपए बरामद हुए हैं।

काली मंदिर को हटाने की कार्रवाई के दौरान गिरा मलबा चपेट में आने से एक मजदूर की मौत

यूपी के चंदौली स्थित मुगलसराय बाजार में जीटी रोड चौड़ीकरण के दौरान काली मंदिर को हटाने की कार्रवाई एक बड़े हादसे में बदल गई। देर रात मंदिर का मलबा हटाते समय जेसीबी से गिर रहे मलबे की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरे का इलाज जारी है। घटना के बाद सड़क चौड़ीकरण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।हादसा मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र में डीडीयू जंक्शन स्टेशन गेट के सामने उस समय हुआ, जब सड़क चौड़ीकरण की जद में आए काली मंदिर को ध्वस्त किया जा रहा था। मंदिर से मां काली की प्रतिमा को पहले ही दूसरी जगह स्थापित कर दिया गया था, जिसके बाद ऐपको कंपनी के कर्मचारी जेसीबी की मदद से मंदिर का मलबा हटा रहे थे। इसी दौरान अचानक मलबा भरभराकर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में दो लोग आ गए। दोनों घायलों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बहादुरपुर गांव निवासी और ऐपको कंपनी में कार्यरत मजदूर बलदेव यादव को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ध्वस्तीकरण के दौरान न तो ट्रैफिक रोका गया था और न ही मौके पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। ऐसे में पीडब्ल्यूडी विभाग और सड़क चौड़ीकरण का कार्य करा रही कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या चंदा मामले को लेकर अपनी बात रखी

उत्तर प्रदेश के गोंडा में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या चंदा मामले को लेकर एक बार फिर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वह किसी से डरने वाले नहीं हैं और पूरे मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से होने दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जांच में गड़बड़ी हुई या किसी को बचाने का प्रयास किया गया तो वह दोबारा अपनी बात मजबूती से रखेंगे। मीडिया से बातचीत में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि, "बृजभूषण शरण सिंह डरने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। हम किसी से डरते नहीं हैं। जांच होने दीजिए। अगर जांच सही हुई तो ठीक है, लेकिन यदि गलत हुई तो हम फिर बोलेंगे।" उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब अयोध्या चंदा मामले की जांच जारी है और इस मुद्दे पर लगातार राजनीतिक बयानबाजी हो रही है। बृजभूषण शरण सिंह ने अपने पुराने बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें पहले दिन से ही इस मामले में "खेल" होने का अंदेशा था। उन्होंने कहा कि वह पिछले चार-पांच वर्षों से इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। राम मंदिर दर्शन नहीं करने संबंधी अपने बयान पर उन्होंने कहा कि वह एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी थी और लोगों को उसके भाव को समझना चाहिए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर सीधे प्रतिक्रिया देने से बृजभूषण शरण सिंह ने परहेज किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम आरोप लगाना है और वह किसी के आरोप पर टिप्पणी नहीं करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा, "आरोप सही हैं तभी तो जांच हो रही है, एफआईआर दर्ज हो रही है, गिरफ्तारी हो रही है और पूछताछ चल रही है।" साथ ही उन्होंने संकेत दिए कि यदि जांच के दौरान किसी को बचाने की कोशिश की गई तो वह फिर इस मुद्दे पर खुलकर अपनी बात रखेंगे।